Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 07-03-2006
Participants : Varma Shri Ratilal Kalidas

an>

Title : Reported kidnapping and sale of organs of children in the country.

श्री रतिलाल कालीदास वर्मा (धन्धुका) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा सरकार का ध्यान एक ऐसी समस्या पर डालना चाहता हूं कि आज का बालक कल का भारत है, लेकिन यहां के बच्चों का अपहरण करने का सिलसिला आज बड़ी संख्या में चालू है। एक अन्तर्राट्रीय गिरोह के द्वारा हिन्दुस्तान के छोटे-छोटे बच्चों का अपहरण करके, उनकी हत्या करके उनकी हड्डियों को विदेश भेजना, उनकी खोपड़ियों को विदेश भेजना, यह एक धन्धा बन गया है, यह सवाल पहले भी उठा है। पूर्व प्रधानमंत्री माननीय अटल बिहारी वाजपेयी जी और वर्तमान प्रधानमंत्री श्री मनमोहन सिंह जी ने एवं अन्य लोगों ने भी यह सवाल उठाया था। इतना ही नहीं, यह गिरोह इतना सक्रिय है कि उसमें पश्चिम बंगाल का हिस्सा, बिहार जो मेन है और धीरे-धीरे साउथ तक फैला है और दूसरे राज्यों में भी जो बच्चे गुम हुए हैं, वे अभी तक नहीं मिले हैं। अगर इनकी संख्या पूरे देश में जानी जाये तो बहुत बड़ी निकलेगी।

इसके पहले भारत के बच्चों को सऊदी अरब भेजा गया था, उनके पास हिन्दुस्तान का पासपोर्ट निकला तो उन सभी बच्चों को हिन्दुस्तान वापस भेजा गया। इनमें से ज्यादातर बच्चे कलकत्ता, वैस्ट बंगाल और बिहार के थे। मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूं कि ये जो हड्डियां हैं, इनकी कीमत भी वहां लगाई गई है और विदेशों के दवाखानों के अन्दर पढ़ाई के लिए इनका उपयोग किया जा रहा है। भारत में सिर 1300 रुपये में बिकता है, पैरों और हाथों की जोड़ी की कीमत 1600 रुपये में और पूरी देह 2100 रुपये में बिकती है, इसे रोका जाये। देश के बच्चे गुम होते हैं और भले हम बड़ी-बड़ी बातें करें, गरीबी के कारण मां-बाप जानते हुए भी अपने बच्चों को बेच देते हैं कि उन बच्चों को बाहर ले जाकर, मार डालकर उनकी हड्डियां बेच दी जाएंगी। यह जो घिनौना कृत्य हो रहा है, इसे रोका जाना चाहिए और ऐसी माफिया टोलियों को ढूंढना चाहिए। देश के अन्दर इन घटनाओं को रोकने के लिए आपके द्वारा मेरा सरकार से अनुरोध है।